सीपीएफ

सत्रीय कार्य

जनवरी 2016

एवं

जुलाई 2016 सत्र

हेतु

कुक्कुट पालन में प्रमाणपत्र कार्यक्रम

(सीपीएफ)

कृषि विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
नई दिल्ली–110068

कृषि विद्यापीठ

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

मैदानगढ़ी, नई दिल्ली–110068

सत्रीय कार्य जमा कराने की अंतिम तिथि

पाठ्यक्रम कोड	अध्ययन केन्द्र में सत्रीय कार्य जमा कराने की अंतिम तिथि	
	जनवरी 2016 सत्र	जुलाई 2016 सत्र
ओएलपी 001	28 फरवरी 2016	31 अगस्त 2016
ओएलपीआई 001	13 मार्च 2016	15 सितम्बर 2016
ओएलपीआई 002	27 मार्च 2016	29 सितम्बर 2016

नोट :

- कृपया, अपना सत्रीय कार्य उपरोक्त तिथि के अनुसार अपने अध्ययन केंन्द्र (पीएससी) में जमा कराए।

- परीक्षा फार्म जमा कराने से पहले (मार्च और सितम्बर में क्रमशः जून और दिसम्बर सत्रांत परीक्षा हेतु), अनिवाार्य है कि आप जिन पाठ्यक्रमों की परीक्षा के लिए आवेदन कर रहे है, उनसे संबंधित सत्रीय कार्य जमा करायें, और कार्यक्रम प्रभारी या अध्ययन केंन्द्र (पीएससी) के संयोजक से इसका प्रमाणीकरण करायें।

प्रिय शिक्षार्थी,

''कुक्कुट पालन में प्रमाण पत्र (सीपीएफ) कार्यक्रम'' में आपका स्वागत है।

आशा है कि आपने सीपीएफ कार्यक्रम मार्गदर्शिका को अच्छे से पढ़ लिया होगा। सत्रांत परीक्षा (टीईई) की अधिभारिता - 80% और सतत् मूल्यांकन (सत्रीय कार्य) की 20% होगी। सैद्धांतिक घटक के साथ प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए एक सत्रीय कार्य है अर्थात् कार्यक्रम में सम्मिलित पाठ्यक्रमों (ओएलपी 001, ओएलपीआई 001 और ओएलपीआई 002) के लिए तीन सत्रीय कार्य हैं। प्रत्येक सत्रीय कार्य 50 अंकों का है जो कि अंततः, सैद्धांतिक घटक की 20% अधिभारिता में परिवर्तित होगा। शिक्षार्थियों को सलाह दी जाती है कि आप सर्वप्रथम अध्ययन सामग्रियों का अध्ययन करें और तत्पश्चात् निर्देशों को ध्यान में रख कर सत्रीय कार्य प्रतिक्रिया तैयार करें। आपकी प्रतिक्रियाएं स्व–अध्ययन उद्देश्यों के लिए प्रदत्त पाठ्यपुस्तक सामग्री/खंडों की ज्यों की त्यों नकल नहीं होनी चाहिए। अपनी सत्रीय कार्य प्रतिक्रियाएं निर्धारित तारीख या इससे पहले तक अपने अध्ययन केंद्र/कार्यक्रम अध्ययन केंद्र (पीएससी) में जमा करा दें। सत्रीय कार्यों का मूल्यांकन अध्ययन केंद्र/पीएससी के परामर्शदाताओं द्वारा किया जायेगा और प्राप्त अंकों की अधिभारिता सत्रांत परीक्षा में प्राप्त अंकों के प्रतिशत में जोड़ दी जायेगी। सत्रांत परीक्षा में बैठने के लिए प्रत्येक शिक्षार्थी को सत्रीय कार्य पूरा करना होगा। इसलिए अपने सत्रीय कार्यों को सजगता से लें और समय पर जमा करायें।

सामान्य निर्देश

1. यदि आप किसी सामान्य निर्देश सत्र की देय तारीख से पहले सत्रीय कार्य जमा नहीं करा पाते तो आपको आगामी सत्रों के सत्रीय कार्य के नये सेट को पूरा करना होगा।
2. अपनी उत्तर पृष्ठिका के पहले पृष्ठ के सबसे ऊपर दाये कोने में अपनी नामांकन संख्या, नाम, पूरा पता और प्रेषण की तारीख लिखें।
3. अपनी उत्तर पृष्ठिका के पहले पृष्ठ के बायें कोने में कार्यक्रम शीर्षक, पाठ्यक्रम शीर्षक, सत्रीय कार्य कोड, अध्ययन केंद्र कोड के स्थान का उल्लेख करें।

प्रत्येक सत्रीय कार्य के लिए आपकी उत्तर पृष्ठिका के पहले पृष्ठ के सबसे ऊपर का भाग इस तरह होना चाहिएः

पाठ्यक्रम शीर्षक	नामांकन संख्या .....
कार्यक्रम कोड	नाम .....
अध्ययन केंद्र का कोड	पता .....
(स्थान)	.....
तिथि	.....

नोट : उपर्युक्त फार्मेट का अनुसरण कड़ाई से करें।

4. आपकी उत्तर पृष्ठिका हर नज़रिए से पूरी होनी चाहिए। सुनिश्चित करें कि सत्रीय कार्य जमा कराने से पहले आपने सत्रीय कार्यों के सभी प्रश्नों के उत्तर दिए हैं। अधूरे उत्तर खराब अंक देंगे।
5. जहाँ तक संभव हो पाठ्यक्रम सामग्री के प्रासंगिक बिंदुओं का उल्लेख करें और पाठ्य सामग्री की ज्यों की त्यों नकल लिखने की बजाय अपने उत्तर अपने शब्दों में खोल कर लिखें।
6. सत्रीय कार्य करते समय अध्ययन सामग्री की नकल न मारें। देखा गया है कि सत्रीय कार्यों को पूरा करने के लिए अध्ययन सामग्री की नकल मारी जाती है और इसके लिए शून्य अंक मिलेगा।
7. अन्य शिक्षार्थियों की उत्तर पृष्ठिकाओं से नकल न मारें। यदि ऐसा पाया जाता है तो संबद्ध शिक्षार्थियों के सत्रीय कार्यों को खारिज़ कर दिया जाएगा।
8. अपने उत्तर फुलस्केप साइज़ पेपर पर ही लिखें। सामान्य लेखन पत्र, न अधिक मोटे या पतले, ही कारगर होंगे। सत्रीय कार्य अनिवार्यतया हस्तलिखित ही हों। टंकित सत्रीय कार्य स्वीकार्य नहीं होंगे।
9. प्रत्येक सत्रीय कार्य में बायें ओर 3 इंच का मार्जन और प्रत्येक उत्तर की समाप्ति के बाद 4 पंक्तियों का फासला देना जरूरी है। प्रत्येक उत्तर की प्रश्न संख्या साफ तरीके से लिखें। सत्रीय कार्य करते समय, निर्देशों को सावधानीपूर्वक पढ़ें।
10. आपके अध्ययन केंद्र/पीएससी के संयोजक आपके मूल्यांकित सत्रीय कार्य आपको लौटा देंगे। सत्रीय कार्यों में आपके निष्पादन पर मूल्यांकन की संपूर्ण टिप्पणियाँ वाली मूल्यांकन पृष्ठिका की प्रति भी सम्मिलित होगी। इससे आप भावी सत्रीय कार्यों एवं सत्रांत परीक्षाओं को अधिक बेहतर तरीके से करने के योग्य होंगे।
11. सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र/पीएससी कार्यक्रम प्रभारी/संयोजक को भेजें।

सत्रीय कार्य करने से पहले निर्देशों को सावधानीपूर्वक पढ़ें।

कार्यक्रम की सफलता हेतु हमारी शुभकामनाएं!

सुखद अध्ययन!

कार्यक्रम संयोजक (सीपीएफ)

ओएलपी 001: कुक्कुट पालन का परिचय

कुल अंकः 50

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान है। (10x5=50)

1. भारत में कुक्कुट उद्योग की वर्तमान स्थिति के बारे में चर्चा कीजिए। भारतीय कुक्कुट उद्योग की सामर्थ्य एवं दोषों पर अपनी राय व्यक्त कीजिए।
2. लेयर और ब्रॉइलर के अंतर को स्पष्ट कीजिए। ब्रॉइलर और लेयर चिकन के उदाहरण दीजिए।
3. ''हमारे देश की ग्रामीण आजीविका सुरक्षा पर कुक्कुट उद्योग का महत्वपूर्ण प्रभाव है''। कथन की पुष्टि कीजिए।
4. मुर्गी की रोड आइलैंड रेड और लेगहार्न नस्लों में अंतर स्पष्ट कीजिए।
5. मुर्गी के देह भागों का रेखाचित्र बनाइए और इनके नाम लिखिए।
6. निम्नलिखित अवधारणाओं के आधार पर सतत्ता (% अंडा उत्पादन) परिकलित कीजिएः
   - यौन परिपक्वता के समय आयु = 175 दिन
   - निर्धारण के समय आयु = 362 दिन
   - उत्पादित अंडों की संख्या = 139
7. निम्नलिखित को एक या दो पंक्तियों में परिभाषित कीजिएः
   क) मिश्रित पालन
   ख) अंडे सेना (Clutch)
   ग) पंख झाड़ने की प्रक्रिया (Moulting)
   घ) जैव सुरक्षा
   च) मुर्गी (हैन)
8. कृत्रिम गर्भाधान को परिभाषित कीजिए। इसके लाभ और दोष क्या है?
9. अच्छे लेयर्स एवं खराब लेयर्स में अन्तर स्पष्ट कीजिए।
10. अंडस्फुटनशीलता (hatchability) और जीवन क्षमता (livability) प्रतिशत से आप क्या समझते हैं? हैचरी (कृत्रिम ढंग से अंडे सेने की जगह) के कार्य निष्पादन के मूल्यांकन में यह कैसे उपयोगी होगा? स्पष्ट कीजिए।

ओएलपीआई 001: कुक्कुट आवास एवं प्रबंधन

कुल अंकः 50

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान है। (10x5=50)

1. पोल्ट्री हाउस के पूर्वापेक्षित बिंदु कौन से हैं? पूर्वापेक्षित बिंदुओं के आधार पर अपने इलाके में पोल्ट्री फार्म शुरू करने की संभावना के बारे में अपनी राय दीजिए और अपने उत्तर की पुष्टि कीजिए।
2. कुक्कुट (पोल्ट्री) पालन के केज (पिंजरा) सिस्टम की व्याख्या कीजिए। इसके लाभ एवं दोषों को लिखिए।
3. ब्रायलर और लेयर कुक्कुट शाला में प्रयोग में आने वाले किन्ही दस उपकरणों को सुचिबद्ध करें ओर प्रत्येक उपकरण के एक उपयोग का वर्णन करें।
4. सेटर ओर हैचर में अन्तर स्पष्ट कीजिए। सेटर और हैचर की आवश्यकताओं का वर्णन कीजिए।
5. चोंच तुड़ाई (beak trimming) क्या है? इसे क्यों किया जाता है? चोंच तुड़ाई से पहले, इस दौरान एवं बाद में कौन-सी सावधानियाँ बरती जाती हैं?
6. लिटर प्रबंधन की व्याख्या कीजिए एवं इसके प्रभाव की पोल्ट्री स्वास्थ्य पर चर्चा कीजिए।
7. उत्पादन लागत को प्रभावित करने वाले कारकों को स्पष्ट कीजिए। लागत कम करने की विधियों का वर्णन कीजिए।
8. माँस प्रसंस्करण संयंत्र में चिकन संसाधन के विभिन्न चरणों का वर्णन कीजिए।
9. गिनी कुक्कुट की स्थान एवं पोषण आवश्यकताओं के बारे में लिखिए।
10. पिछवाड़े में मुर्गी पालन करतें समय पूरक दाना, पानी और रात्रि आश्रय के बारें मे वर्णन करें।

ओएलपीआई 002: कुक्कुट दाना एवं दाना खिलाना

कुल अंकः 50

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान है। (10x5=50)

1. कुक्कुट आहार मदों को कैसे वर्गीकृत किया जाता है? चर्चा कीजिए। किन्हीं दो सामान्य जंतु प्रोटीन स्रोतों एंव दो अपारंपरिक ऊर्जा स्रोतों की व्याख्या कीजिए।
2. कुक्कुट पक्षियों के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण खनिज तत्वों एवं विटामिनों (प्रत्येक के 5–5) की पहचान कीजिए और कुक्कुट पक्षियों में इनकी कमी के लक्षणों को दर्शाइए।
3. माईकोटोक्सिन को परिभाषित कीजिए। कुक्कुट पालन को प्रभवित करने वाले विभिन्न माईकोटोक्सिन्स कौन कौन से है, किसी एक माईकोटोक्सिन का विर्स्तत रूप में वर्णन करें।
4. भारतीय मानक ब्यूरो (बी.आई.एस) के अनुसार ब्रायलर एवं लेयर की विभिन्न अवस्थाओं के अनुरूप उर्जा, प्रोटीन, खनिज एवं विटामिन की आवश्यकताओं को सारणीबध कीजिए।
5. फीड (आहार) प्रसंस्करण क्या है और इसकी आवश्यकता क्यों पड़ती है? पेलेटिंग (pelleting) की प्रक्रिया का वर्णन कीजिए और इसके लाभों पर प्रकाश डालिए।
6. कुक्कुट को दाना खिलाने की विभिन्न विधियाँ कौन–सी हैं? नियंत्रित दाना खिलाने की विधि के बारे में संक्षेप मे लिखिए।
7. मक्का (सीपी =10%) और मूँगफली की खली (सीपी = 48%) के प्रयोग से 23% अपरिश्कृत (crude) प्रोटीन (सीपी) से बना आहार मिश्रण तैयार किया जाना है। पियरसन वर्ग विधि के प्रयोग से ज्वार या सोरगम और सोयाबीन मील की आवश्यक मात्रा (भागों) को परिकलित कीजिए।
8. पक्षियों द्वारा ग्रहण किए जाने वाले आहार पर गर्म मौसम का क्या प्रभाव पड़ता है? स्पष्ट कीजिए।
9. बत्तख, गिनी कुक्कुट और पीरू (टर्की) के दाना प्रबंधन का वर्णन कीजिए।
10. आहार (feed) गुणवत्ता को प्रभावित करने वाले कारकों की सूची बनाइए।